शासकीय चन्दूलाल चन्द्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, पाटन जिला–दुर्ग (छ.ग.)
फोन एवं फैक्स नं. – 07826 – 273675
Email : patancollege@gmail.com, website : govtcccollegepatan.in

प्रतिवेदन ग्रन्थालय विभाग
सत्र् 2022–23

दुर्ग जिला के पाटन विकासखण्ड में 16.08.1989 को शासकीय चन्दूलाल चन्द्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय की स्थापना हुई। महाविद्यालय स्थापना के साथ ही पुस्तकालय की भी स्थापना हुई जो निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। महाविद्यालय पुस्तकालय–भवन का शिलान्यास 11.04.2007 को तात्कानिक पाटन विधायक मान. श्री भूपेश बघेल जी द्वारा किया गया तथा पुस्तकालय भवन का लोकार्पण 09.01.2010 को तात्कालिक विधायक एवं संसदीय सचिव मान. विजय बघेल जी द्वारा किया गया। तत्पश्चात् सत्र् 2010–11 में पुस्तकालय को नये भवन में व्यवस्थित किया गया।

वर्तमान में ग्रन्थालय में शासकीय निधि 10193 पुस्तकें यू.जी.सी./रूसा निधि में 8676 पुस्तकें, एस. सी. /एस.टी. बुक बैक योजना में 5234 पुस्तकें एवं बी.पी.एल. बुक बैंक योजना में 1321 पुस्तकें है। इस प्रकार कुल 25424 पुस्तकें है।

लगभग 1100 संदर्भ ग्रन्थ, लगभग 2200 प्रतियोगी पुस्तकें है।

महाविद्यालय वाचनालय के लिये दैनिक भास्कर, नवभारत, नई दुनिया, हरिभूमिए पत्रिका एवं अमृत संदेश हिन्दी के कुल 06 समाचार पत्र एवं The Hitavada कुल 01 दैनिक अंग्रेजी समाचार पत्र मंगायें जाते है।

इसी तरह पत्रिकाओं में प्रतियोगिता दर्पण, सामान्य ज्ञान दर्पन, प्रतियोगिता निर्देशिका, करेण्ट अफेयर, रेणु जनरल नॉलेज समसामयिकी, प्रतियोगिता घटनाचक्र, प्रतियोगिता किरण, समसामयिकी महासमर, सिविल सर्विसेज क्रॉनिकल, सक्सेल मिरर, प्रतियोगी साथ ही कहानी एवं साहित्य सम्बन्धित अहा जिन्दगी, हंस, वागार्थ, कथा देश, योजना, मेरी सहेली, सखी, गृहशोभा, इंडिया टूडे, क्रिकेट सम्राट, विज्ञान प्रगति, ज्ञानादेय, आदि मासिक, पाक्षिक पत्रिकायें मंगायी जाती है। साथ ही रोजगार संबंधी जानकारी के लिये राष्ट्रीय स्तर के रोजगार समाचार एवं राज्य स्तर के रोजगार और नियोजन साप्ताहिक पत्र मंगायें जाते है।

महाविद्यालय के स्नातक स्तर के सभी विद्यार्थियों को 15 दिनों के लिये एक बार में दो पुस्तकें निर्गमित किया जाता है। 15 दिनों में वापस करने के बाद पुनः दो पुस्तकें निर्गमित की जाती है एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों को 05 पुस्तकें निर्गमित की जाती है और वापस करने पर पुनः पुस्तकें निर्गमित की जाती हैं।

बुक–बैंक योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछडे वर्ग (बी.पी.एल.) के विद्यार्थियों को पूरे सत्र के लिये पुस्तकें दी जाती है।

बुक–बैंक योजना के अंतर्गत 2022–23 में 260 विद्यार्थियों को 996 पुस्तकें निर्गमित की गई ।

सत्र् 2022–23 में पुस्तकालय में कुल 1313 विद्यार्थी पंजीकृत है। **स्नातक स्तर** के **कला संकाय** में बी. ए. भाग एक 216, बी. ए. भाग दो 117, बी. ए. भाग तीन 116 व **विज्ञान संकाय** में बी.एस.सी. भाग एक 139, बी.एस.सी भाग दो 130, बी.एस.सी. भाग तीन 78 एवं **वाणिज्य संकाय** में बी.कॉम भाग एक 78, बी.कॉम भाग दो 35, बी.कॉम भाग तीन 33 **कुल 942** विद्यार्थी तथा **स्नातकोत्तर स्तर** के **कला संकाय** में राजनीति शास्त्र 54, समाजशास्त्र 49, अर्थशास्त्र 13, हिन्दी साहित्य 07, भूगोल 19 एवं **विज्ञान संकाय** में गणित 22, प्राणीशास्त्र 39, वनस्पति शास्त्र 33, रसायन शास्त्र 36 , भौतिक शास्त्र 35 वाणिज्य 32 एवं पी.जी.डी.सी.ए. 32 **कुल 371** विद्यार्थी पंजीकृत है।

ग्रन्थपाल

15.05.2023